तर्ज-आने से जिसके आए बहार

पढ़ने से जिसका हो बेड़ा पार,
सुनने से आए सुन्दर विचार
बड़ा सुख देती है,मेरे सतगुरू की वाणी
दुख हर लेती है,मेरे.....

1- ध्यान से पढ़े जो,पट अन्दर के है खोल देती
प्रेम से सुने जो,निजधाम में पहुंचा देती
हमारी है हमारे लिए,हुई मेहरबानी है
मेरे सातगुरू....

2-फरमाई मेरे सतगुरू,मुक्ति दिलाने आई
सनमंध मूल का था,श्री जी ने आ सुनाई
समझो तो सोचो तो,यह अपनी कहानी है
मेरे सतुगरू...

Nijanand App